(13)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2020

बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिये अंक निर्धारण योजनाः–

पेपर	नियमित विद्यार्थियों के लिये Max. Marks	स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये Max. Marks
सैद्धातिक	50	70
त्रेमासिक मूल्यांकन	10	-
छःमाही मूल्यांकन	10	-
प्रायोगिक प्रथम	40	40
प्रायोगिक द्वितीय	40	40
कुल योग	150	150

डॉ. मीरा काले (अध्यक्ष)

डॉ. सुवर्णा तावसे (सदस्य)

डॉ. लतासिंह मुंशी (सदस्य)

डॉ.सुचित्रा हरमलकर (सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2018

कक्षा	–	बी.ए. प्रथम वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धान्तिक
अधिकतम अंक	–	50

उद्देश्य :– भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है,भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौदर्न्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

–:इकाई प्रथमः–

- कथक नृत्य के उद्भव व विकास का प्रारंभिक ज्ञान।
- कथक नृत्य का सामान्य परिचय।
- कथक नृत्य का प्रदर्शन कम।

–:इकाई द्वितीयः–

- नाट्य,नृत्त एवं नृत्य का परिचयात्मक ज्ञान।
- नर्त्तक नर्तकी व नृत्याचार्य के गुण दोष।
- नृत्य करने के शारीरिक एवं मानसिक लाभ।

–:इकाई तृतीयः–

- अभिनय दर्पण के अनुसारः–
  ग्रीवा भेद, शिरो भेद, 28, असंयुक्त हस्त्र मुद्राऐं, विनियोग तथा प्रयोग सहित

–:इकाई चतुर्थः–

- कथक नृत्य में प्रयुक्त होने वाले पारम्परिक वाद्ययंत्रों का परिचय।
- निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञानः–
  सम, मात्रा, लय, आवर्तन, विभाग, ताली–खाली, थाट, आमद, परन कवित्त, तोड़ा टुकड़ा, गतनिकास, गतभाव,

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2018

–:इकाई पंचमः–

- ताल त्रिताल में नृत्य के बोलों को लिपिबद्ध करना।
- ताल दादरा, कहरवा व त्रिताल का परिचय तथा ठेके को ठाह, दुगुन में लिखने का अभ्यास।
- निम्नलिखित कलाकारों का जीवन परिचयः–
  1. पण्डित बिन्दादीन महाराज
  2. पण्डित जयलाल महाराज
  3. श्रीमती सितारा देवी

पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूचीः–

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 डॉ. पुरू दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग–2 डॉ. पुरू दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरू दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2018

कक्षा	–	बी.ए. प्रथम
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रथम, प्रायोगिक
अधिकतम अंक	–	40

–:ताल नर्तनः–

- ताल त्रिताल में सम्पूर्ण नर्तनः–
  1. तत्कार – थाह, दुगुन व चौगुन लय में
  2. नमस्कार
  3. थाट – 02
  4. आमद – 01
  5. टुकड़े – 02
  6. तोड़े सादे – 03
  7. चक्रदार – 02
  8. सादी परन – 02
  9. चक्रदार – 01
  10. तिहाईयां – 02
  11. कवित्त – 01
- ताल झपताल में नर्तनः–
  1. तत्कार – थाह व दुगुन लय में
  2. सादे तोड़े – 02
  3. तिंहाई – 01
- ताल परिचय व तत्कार का ज्ञानः–
  1. दादरा
  2. कहरवा
- सभी बोलो को हाथ से ठेका देकर बोलने का अभ्यास

डॉ. मीरा काले (अध्यक्ष)	डॉ. सुवर्णा तावसे (सदस्य)	डॉ. लतासिंह मुंशी (सदस्य)	डॉ. सुचित्रा हरमलकर (सदस्य

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2018

कक्षा	–	बी.ए. प्रथम
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	द्वितीय, प्रायोगिक
अधिकतम अंक	–	40

–:अभिनयः–

- गुरू वन्दना–
- गत निकास–
  1. सीधी गत
  2. मुरली की गत
  3. मटकी की गत
- ग्रीवा भेदो का प्रायोगिक प्रदर्शन
- शिरो भेदो का प्रायोगिक प्रदर्शन
- 28, असंयुक्त हस्तमुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

उद्देश्य :– भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौदर्न्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

–:इकाई प्रथमः–

- कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का सामान्य परिचय
  1. लखनऊ घराना
  2. जयपुर घराना
  3. बनारस घराना
  4. रायगढ़ घराना
- नवाब वाजिदअली शाह का कथक नृत्य के विकास में योगदान

–:इकाई द्वितीयः–

- अभिनय की परिभाषा एवं उसके भेद।
- रस एवं भाव की परिभाषा।
- नव रसो का सामान्य परिचय।

–:इकाई तृतीयः–

- अभिनय दर्पण के अनुसारः–
  8 दृष्टि भेद
  7 भ्रकुटी भेद
- नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय
- अभिनय दर्पण का सामान्य परिचय

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

–:इकाई चतुर्थः–

- लोकनृत्य की परिभाषा।
- मध्यप्रदेश के किसी एक लोकनृत्य का विस्तृत परिचय।
- नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध।

–:इकाई पंचमः–

- ताल परिचय एवं ठेके को थाह व दुगुन लय में लिखने का अभ्यास।
  1. ताल झपताल
  2. ताल एकताल
- ताल झपताल में बोलो को लिखने का अभ्यास।
- जीवन परिचयः–
  1. पं. कार्तिक राम
  2. डॉ. पुरू दाधीच
  3. श्रीमती कुमुदिनी लाखिया

पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूचीः–

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 डॉ. पुरू दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग–2 डॉ. पुरू दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरू दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रायोगिक– प्रथम
अधिकतम अंक	–	40

–:ताल नर्तन:–

- ताल झपताल में नर्तन:–
  1. तत्कार – थाह, दुगुन, चौगुन
  2. नमस्कार – 01
  3. थाट – 02
  4. तोड़े – 03
  5. चक्रदार – 02
  6. परन – 02
  7. चक्रदार – 01
  8. कवित – 01
  9. तिहाई – 02

- ताल त्रिताल में ततकार के पल्टे/बाट
- ताल एकताल का परिचय व ठेके की ठाह दुगुन
- हाथ से ताल देते हुए समस्त बोलो को पढ़ने का अभ्यास।

डॉ. मीरा काले (अध्यक्ष)	डॉ. सुवर्णा तावसे (सदस्य)	डॉ. लतासिंह मुंशी (सदस्य)	डॉ. सुचित्रा हरमलकर (सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018–2019

कक्षा	–	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रायोगिक– द्वितीय
अधिकतम अंक	–	40

–:अभिनयः–

- गणेश वन्दना–
- गत निकास–
  1. घूंघट के प्रकार
  2. रूखसार की गत
- गतभाव– पनघट लीला
- भजन
- दृष्टि भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन
- पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019–2020

कक्षा	–	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

उद्देश्य :– भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौदर्न्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

–:इकाई प्रथमः–

- भारतीय नृत्यकला के विकास का संक्षिप्त इतिहास निम्नलिखित काल खण्डों में:–
  1. वैदिक काल
  2. रामायण, महाभारत काल
  3. पूर्व मध्यकाल
  4. मुगलकाल

–:इकाई द्वितीयः–

- आचार्य भरत वर्णित नाट्यशालाऐं:–
- कथक का नृत्तांग
  1. तत्कार
  2. हस्तक
  3. भ्रमरी
  4. ताल प्रबंध

–:इकाई तृतीयः–

- ताल के दश प्राणः–
- ताल शब्दावली :– जरब, कमलय, उठान, फरमाईशी, कमाली, जातीपरन, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली
- भातखण्डे ताल पद्धति का सामान्य परिचय

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019–2020

कक्षा	–	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	–	50

–:इकाई चतुर्थः–

- राजा चक्रधर सिंग का नृत्य के विकास में योगदान।
- नृत्य संबंधी निबंध – अधिकतम 250 शब्द।
  1. नृत्य की गुरू–शिष्य परम्परा
  2. शास्त्रीय एवं लोकनृत्य
  3. नृत्य एवं योग
- रासलीला एवं कथक नृत्य

–:इकाई पंचमः–

- ताल एकताल में बोलो को लिपिबद्ध करने का अभ्यास
- जीवन परिचयः–
  1. श्रीमती रोहिणी भाटे
  2. पण्डित दुर्गालाल
  3. पण्डित बिरजू महाराज

पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूचीः–

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 डॉ. पुरू दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग–2 डॉ. पुरू दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरू दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019–2020

कक्षा	–	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रायोगिक–प्रथम
अधिकतम अंक	–	40

–:ताल नर्तनः–

- ताल एकताल में सम्पूर्ण नर्तनः–
  1. तत्कार – थाह, दुगुन व चौगुन लय में
  2. नमस्कार – 01
  3. थाट – 02
  4. आमद – 01
  5. तोड़े सादे – 02
  6. चक्रदार – 02
  7. सादी परन – 02
  8. चक्रदार – 01
  9. तिहाईयां – 02
  10. कवित्त – 01
- विभिन्न प्रकार के बोलो को करने का अभ्यासः–
  1. गणेश परन
  2. दुपल्ली
  3. फरमाईशी परन
- द्रुत लय में ततकार
- पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
- सभी बोलो को हाथ से ठेका देकर बोलने का अभ्यास

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019–2020

कक्षा	–	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रायोगिक–द्वितीय
अधिकतम अंक	–	40

–:अभिनयः–

- विष्णू वंदना/शिव वंदना
- गत निकास
  1. झूमर की गत
  2. आंचल की गत
- गतभाव
  1. माखन चोरी
  2. होरी
- ठुमरी – 01

डॉ. मीरा काले (अध्यक्ष) | डॉ. सुवर्णा तावसे (सदस्य) | डॉ. लतासिंह मुंशी (सदस्य) | डॉ. सुचित्रा हरमलकर (सदस्य)